विषय : हिन्दी विशिष्ट **Set-B**

निर्देश— I. सभी प्रश्न हल कीजिए।

II. प्रश्न क्रमांक 1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न खण्ड—अ, ब में विभाजित है। इसमें 10 अंक निर्धारित है।

III. प्रश्न क्रमांक 2 से 7 तक के उत्तर 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में 2 अंक निर्धारित है।

IV. प्रश्न क्रमांक 8 से 13 तक के उत्तर 50 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में 3 अंक निर्धारित है।

V. प्रश्न क्रमांक 14 से 19 तक के उत्तर 75 शब्दों में दीजिए। इनमें विकल्प दिया गया है। प्रत्येक प्रश्न में 4 अंक निर्धारित है।

VI. प्रश्न क्रमांक 20 से 22 एवं 24 तक के उत्तर 150 शब्दों में दीजिए। इनमें विकल्प दिया गया है। प्रत्येक प्रश्न में 5 अंक निर्धारित है।

VII. प्रश्न क्रमांक 23 एवं 25 में 8 अंक निर्धारित है। प्रश्न क्रमांक 25 का उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

खण्ड—अ

1. **सही विकल्प चुनकर लिखिए :**

(i) सुमित्रानन्दन पंत जी आधुनिक युग के प्रमुख कवि हैं—
(क) रहस्यवादी (ख) राष्ट्रवादी
(ग) छायावादी एवं प्रगतिवादी (घ) प्रयोगवादी

(ii) मधुलिका किसकी पुत्री थी?
(क) अग्निसेन (ख) चित्रसेन
(ग) सिंहमित्र (घ) व्याधराज

(iii) अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार किस भारतीय को प्राप्त हुआ है—
(क) डॉ० सुब्रमण्यम चन्द्रशेखर (ख) डा० हरगोविन्द खुराना
(ग) डॉ० चन्द्रशेखर वेंकटरमन (घ) डॉ० अमर्त्य सेन

(iv) आधुनिक डिजिटल कम्प्यूटर का पितामह कहा जाता है—
(क) चार्ल्स बेवेज को (ख) बिल गेट्स को
(ग) न्यूटन को (घ) सर जे० जे० थाम्सन को

(v) शान्त रस का स्थायी भाव है—
(क) उत्साह (ख) विस्मय
(ग) निर्वेद (घ) शोक

खण्ड—ब

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(i) महादेवी वर्मा जी के काव्य की एक महत्वपूर्ण विशेषता ________ है।
(ii) कबीर की प्रमाणिक रचना संग्रह ________ है।
(iii) गुरु घासीराम दास ________ पेड़ तले धूनी रमाकर तप करने लगे।
(iv) मातृभूमि कविता में ________ छंद है।
(v) सूरदास को ______ मार्ग का जहाज कहा जाता है।

2. कर्म में आनंद अनुभव करने वालों को क्या कहते हैं?
3. 'उच्छ्वसित' का अर्थ समझाइए।
4. नोबेल पुरस्कार किन-किन क्षेत्रों में दिया जाता है? चार क्षेत्रों का नाम लिखिए।
5. कुतुबनुमा क्या है?
6. सन् 1820 से 1830 के बीच छत्तीसगढ़ की कितनी प्रतिशत जनता गुरु घासीराम दास के अनुयायी हो गई थी?
7. दिये गये मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :
(i) अंगारों पर पैर रखना (ii) आकाश-पाताल एक करना।
8. 'पल-पल परिवर्तित प्रकृति वेश' से पंत कवि का क्या तात्पर्य है? लिखिए।
9. **निम्नलिखित शब्द समूहों के लिए एक शब्द लिखिए :**
(i) जिस पर मुकद्दमा चलाया जाए (ii) जिसकी पत्नी की मृत्यु हो गई हो
(iii) जो अपने प्रति किए गए उपकार को न माने
10. "पन्ना धाय" के चरित्र की तीन विशेषताएँ लिखिए।
11. भक्तिकाल को हिन्दी साहित्य का 'स्वर्णिम काल' क्यों कहा जाता है? स्पष्ट कीजिए।

12. गाँधी जी को 'महात्मा' क्यों कहा जाता है?

13. बाल्यकाल किस प्रकार मातृभूमि की गोद में सुख पाता है?

14. 'कबीर दास' अथवा 'मैथिलीशरण गुप्त' का साहित्यिक परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए–

(i) कोई दो रचनाएँ (ii) भावपक्ष की तीन विशेषताएँ

(iii) कलापक्ष की तीन विशेषताएँ

15. जयशंकर प्रसाद' अथवा 'डॉ० रामकुमार वर्मा' का साहित्यिक परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए–

(i) कोई दो रचनाएँ (ii) भाषा–शैली

(iii) साहित्य में स्थान।

16. "मजदूर नहीं होते तो संसार का विकास रुक जाता।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

संसार की उन्नति में मजदूरों का क्या योगदान है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

17. वक्त की पाबंदी के संबंध में गाँधी जी का क्या दृष्टिकोण था? कोई दो उदाहरण देकर समझाइए।

अथवा

गाँधी जी के प्रमुख सिद्धान्त कौन–कौन से थे? उल्लेख कीजिए।

18. महाकाव्य की विशेषताएँ लिखिए। (कोई चार)

अथवा

आख्यानक काव्य की विशेषताएँ लिखिए। (कोई चार)

19. गुरु घासीदास जी के संदेश कौन–कौन से हैं? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

पंडवानी के कथा–गायन का केन्द्रीय चरित्र कौन है? स्पष्ट कीजिए।

20. **निम्नलिखित पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग व्याख्या कर उसकी विशेषताएँ लिखिए :**

"इन स्निग्ध लटों से छा दे तन,
पुलकित अंकों में भर विशाल,
झुक सस्मित शीतल चुम्बन से,
अंकित कर इसका मृदुल भाल,
दुलरा दे ना बहला दे ना,
यह तेरा शिशु जग है उदास।
रूपसि। तेरा घन–केश–पाश।

अथवा

निर्मल तेरा नीर अमृत के, सम उत्तम है,
शीतल मंद सुगंध पवन हर लेता श्रम है,
षट्ऋतुओं का विविध दृश्य युत अद्भुत क्रम है,
हरयाली का फर्श नहीं मखमल से कम है,
शुचि सुधा सींचता राम में, तुझ पर चन्द्र प्रकाश है,
हे मातृभूमि! दिन में तरणि, करता तम का नाश है॥"

21. **निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या कर उसकी विशेषताएँ लिखिए :**

"कर्म में आनंद का अनुभव करने वालों ही का नाम कर्मण्य है। धर्म और उदारता के उच्च कर्मों के विधान में ही एक ऐसा दिव्य आनंद भरा रहता है कि कर्ता को वे कर्म ही फल स्वरूप लगते हैं। अत्याचार का दमन और क्लेश का शमन करते हुए चित्त में जो उल्लास और तुष्टि होती है वही लोकोपकारी कर्मवीर का सच्चा सुख है। उसके लिए सुख तब तक के लिए रुका नहीं रहता जब तक कि फल प्राप्त न हो जाए बल्कि उसी समय से थोड़ा–थोड़ा करके मिलने लगता है, जब से वह कर्म की ओर हाथ बढ़ाता है।"

अथवा

'मेरे निर्माण की परिधि की व्यापकता अनंत है, उद्याचल से अस्ताचल तक, क्षितिज के छोरों तक। हजारों वर्ष पहले कलयुग भी जब कभी अंतराल के गर्भ में था, मैंने नदियों के बहाव रोक दिए, बहाव जो अभी ताजा थे, प्रखर प्रकृति वेग से प्रेरित। बहाव रोककर सुविस्तृत ह्रद बनाए, जिन पर पर्जन्य विरहित भूमि की उर्वरा शक्ति अवलंबित हुई। बढ़ते हुए समुंदर का मैंने जल सुखाया, दलदलों को ठोस जमीन का जामा पहनाया और उन फसलों की हरी धानी क्यारियाँ दौड़ाई।"

22. सूर "वात्सल्य का कोना–कोना झाँक आए हैं।" स्पष्ट कीजिए।

अथवा

राम के बाल–रूप का विस्तार से वर्णन कीजिए।

23. आपका नाम अभिनव कपूर है। आप शास० बहु० उच्च० माध्य० शाला, बिलासपुर में कक्षा दसवीं के छात्र हैं। अपने प्राचार्य को शुल्क मुक्ति हेतु आवेदन–पत्र लिखिए।

अथवा

सचिव, छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर को दसवीं बोर्ड परीक्षा की अंक सूची की द्वितीय प्रति प्राप्त करने हेतु एक आवेदन–पत्र लिखिए।

24. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए :**

(क) राष्ट्रीय एकता (ख) समाचार–पत्र

(ग) मेरा ग्राम पंचायत (घ) विद्यार्थी और अनुशासन

(ङ) हमारा प्रिय खेल–'क्रिकेट'।

25. **निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे कोई चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

''भय का जन्म अज्ञान से होता है। हम भयग्रस्त होते हैं, क्योंकि हम अपनी दिव्य कार्यशक्ति आशाओं और संभावनाओं के प्रति सजग नहीं रह पाते। हमारे भय का मुख्य कारण है कि हम अपने-आपको एक पृथक् इकाई मानते हैं। अपनी सत्ता को हम ऐसा समझते हैं कि सृष्टिकर्ता ने इस ब्रह्माण्ड में संग्राम और संघर्ष करने के लिए हमें अकेला फेंक दिया है। परन्तु वास्तविकता यह है कि हम उस कर्ता की बिशाल योजनाओं का एक अभिन्न अंग मात्र हैं। हम उस महान सृजन-शक्ति का एक महत्वपूर्ण अंश हैं। हम रोग से भयभीत क्यों होते हैं? क्योंकि हम नहीं जानते कि स्वास्थ्य ही हमारा जीवन है, यही हमारी स्वाभाविक दशा है। स्वास्थ्य के नियमों को जानकर भी अनदेखी करते हैं। स्वस्थ रहने के लिए प्रयत्न ही नहीं करते हैं। स्वास्थ्य से अधिक महत्व स्वाद को देते हैं। केवल स्वास्थ्य के अभाव का ही नाम रोग है। प्रकाश के अभाव का नाम अंधकार है। अज्ञानता का ही दूसरा नाम भय है। हम तुच्छ तब बनते हैं जब हम भय को उस सर्वशक्तिमान से बड़ा मानकर उसके आगे झुकते हैं।''

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(ख) रोग क्या है?

(ग) हम क्या हैं?

(घ) हम तुच्छ कब बनते हैं?

(ङ) भय का प्रधान कारण क्या है?